वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में हाथों में डिग्रियां देख झूमे छात्र

छात्र-छात्राएं स्वरोजगार के लिए करें शिक्षा का उपयोग : राज्यपाल

- देहरादून; वरिष्ठ संवाददाता। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में मंगलवार को 8197 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां दी गई। जिसमें 105 को गोल्ड व सिल्वर मैडल व 59 को पीएचडी की उपाधि मिली। मैडल पाने वालों में 57 केवल छात्राएं हैं।
- विवि के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि आए कुलाधिपति राज्यपाल लेज (सेनि) गुरमीत सिंह व विशिष्ठ अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने छात्रों को डिग्रियां व मैडल बांटे। इस दौरान दोनों ने पास आउट होने वाले सभी छात्रों व उनके अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने सलाह दी कि वे रोजगार पाने की लाइन में खड़े होने के बजाए स्वरोजगार के लिए अपनी शिक्षा व ज्ञान का उपयोग करें। कहा कि उनके काम उनका भविष्य और विवि की प्रतिष्ठा को पूरी दुनिया के सामने रखेंगे। इसलिए खुद के साथ देश के विकास के लिए भी सोचें और अपनी काबिलियत को इसके लिए लगाएं। इस दौरान उन्होंने विवि के डिजी लॉकर का भी उद्घाटन किया। जिससे विवि से जुड़े सभी संस्थानों के छात्र अपनी डिग्रियां व मार्कशीट ऑनलाइन ले सकते हैं। विवि के कुलपति डॉ. ओंकार सिंह ने बताया कि ये डिग्रियां वर्ष 2021-22 से 2022-23 तक पास आउट हुए छात्र-छात्राओं को दी गईं। जिनमें 6190 स्नातक व 1948 परास्नातक विद्यार्थी शामिल हैं। अपर सचिव तकनीकी शिक्षा स्वाति भदौरिया ने कहा कि जो भी करें जीवन में बेस्ट करें। चाहे नौकरी हो, स्टार्टअप या कुछ और ही। उसमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। इस दौरान कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र सिंह, प्रो. एससी वर्मा, दून विवि की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल, वित्त नियंत्रक बीके जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल सहित कई लोग मौजूद रहे।

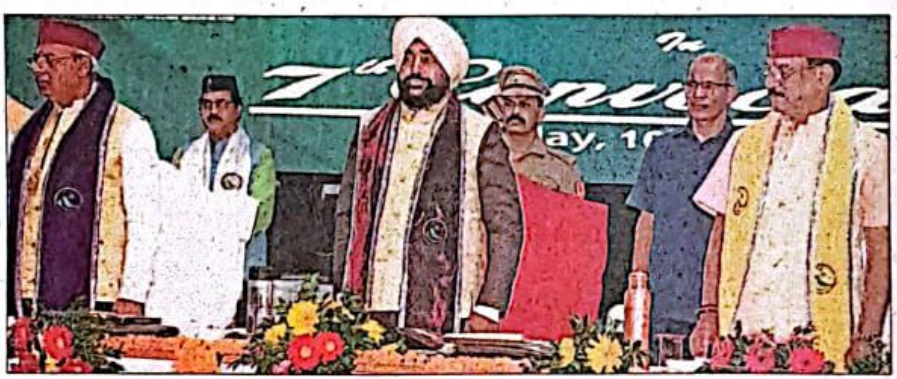

यूटीयू में मंगलवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में मंच पर उपस्थित राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह।

सरकारी विभाग में रिटायरमेंट पर एचओडी तो प्राइवेट में तीस साल में ही सीईओ: तकनीकि शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज वक्त बदल रहा है। जहां पहले लोग सरकारी नौकरी की तलाश में रहते थे, आज वो प्राइवेट की ओर जा रहे हैं। सरकार में रिटायरमेंट के ठीक पहले ही लोग अपने विभाग में एचओडी पद तक पहुंच पाते हैं। जबकि आज दुनिया भर में तकनीकी काम वाले युवा अपने ज्ञान से तीस साल की उम्र में ही तमाम बड़ी कंपनियों में सीईओ हैं। उन्होंने ये भी कहा कि परंपरागत की बजाए अब तकनीकी शिक्षा का जमाना है। विवि को भी इसके लिए एक कदम आगे बढ़ाकर अपने इंजीनियरों को श्रेष्ठ बनाना होगा।

रोजगार नहीं है, स्वरोजगार पर दें ध्यान: कार्यक्रम के दौरान तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा आज लगातार जनसंख्या बढ़ने से रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं। ऐसे में हर विद्यार्थी को रोजगार मांगने के बजाए रोजगार देने वाला बनना होगा। इतनी उच्च और तकनीकी शिक्षा के बाद भी अगर हम दूसरों के सामने रोजगार के लिए हाथ फैलाएं तो ये हमारी शिक्षा का अपमान होगा। हमें अपने उच्च तकनीकी ज्ञान को खुद के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार देने में लगाना होगा। स्वरोजगार और स्टार्टअप के लिए सरकार हर मदद को तैयार है।

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

08 हजार 197 छात्र-छात्राओं को वितरित की गई डिग्रियां

01 सौ पांच छात्र-छात्राओं को दिए गए गोल्ड और सिल्वर मेडल

पहली बार संस्कृत में भी लिखा है डिग्रियों में नाम

विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि पहली बार विवि की ओर से हिंदी व अंग्रेजी के साथ ही संस्कृत भाषा में भी डिग्रियां अंकित की गई है। जो कि संस्कृत की महता और उसके उपयोग को जन-जन तक पहुचाने के मकसद से किया गया है। विश्वविद्यालय की इस पहल की राज्यपाल ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि संस्कृत में उपाधियां अंकित करवाकर विश्वविद्यालय ने संस्कृत भाषा के प्रति उनके और सरकार के विजन को एक आयाम दिया है।